## महत्वपूर्ण एवं खास

### समय पर उड़ान भरने में स्पाइसजेट अव्वल

नयी दिल्ली (आरएनएस)। देश के चार बड़े हवाई अड्डों पर समय पर उड़ान भरने के मामले में अगस्त में किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट अव्वल रही। वहीं, यात्रियों की सबसे ज्यादा शिकायतें एयर ओडिशा और एयर डेक्कन के खिलाफ आयीं। नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार, अगस्त में दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु हवाई अड्डों पर स्पाइसजेट की 87.4 प्रतिशत उड़ानें समय पर रवाना हुई। इंडिगो और गो एयर की 87.2 प्रतिशत तथा विस्तारा की 83.6 प्रतिशत उड़ानें समय पर रवाना हुईं। इस मामले में सरकारी विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। उसकी 75.3 प्रतिशत उड़ानें ही समय पर जा सकीं। तय समय से 15 मिनट के भीतर रवाना होने पर उड़ान को समय पर माना जाता है।

### फॉर्मर सीएफओ पर लगाया गया आरोप साबित नहीं कर सकी इंफी

बेंगलुरु (आरएनएस)। इंफोसिस इस बात का पर्याप्त सबूत नहीं दे सकी है कि फॉर्मर सीएफओ राजीव बंसल ने कंपनी के लैपटॉप से डेटा डिलीट किया था। इसके चलते कंपनी का यह दावा खारिज हो गया है कि बंसल ने एग्रीमेंट की शर्तें तोड़ीं। मामले से वाकिफ दो लोगों ने यह जानकारी दी।

### पेट्रोल की कीमत में 14 पैसे की बढ़ोतरी, डीजल भी बढ़ा

नई दिल्ली (आरएनएस)। तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा। पेट्रोल की कीमतों में 14 पैसे तो डीजल के दामों में 10 पैसे की वृद्धि हुई। सोमवार को ही मुंबई में पेट्रोल की कीमत 90 के पार हो गई थी। सोमवार से पहले कुछ दिन डीजल की कीमतें स्थिर थीं लेकिन दो दिन से इसकी कीमत में भी इजाफा हो रहा है।

### गिरावट के साथ खुला बाजार, टैलिकॉम के स्टॉक्स टूटे

नई दिल्ली (आरएनएस)। मंगलवार को शेयर बाजार फिर गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स 23.89 अंक टूटकर 36281.10 तो निफ्टी 12.40 अंक टूटकर 10955 पर खुला। सोमवार शाम बाजार बड़ी गिरवाट के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स में 536.58 और निफ्टी में 168.20 अंकों की गिरावट के साथ बाजार बंद हुआ था। बाजार खुलने के बाद भी इसमें गिरावट लगातार जारी है। 15 मिनट के भीतर रुपये की गिरती कीमत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम 100 डॉलर को क्रॉस करने की चर्चाओं के बीच शेयर बाजार पर बुरा असर दिखाई दिया।

### गले पर छुरी रख कर बात करना चाहता है अमेरिका: चीन

पेइचिंग (आरएनएस)। चीन ने मंगलवार को कहा कि उसके लिए अमेरिका से ऐसे हालत में व्यापार पर बातचीत करना असंभव है जबकि वह उसके खिलाफ ऊंचे शुल्क लगाए जा रहा है।

# नई कैब पॉलिसी के तहत दिल्ली में खत्म हो सकती है कैब शेयरिंग की सुविधा

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूल राइड्स और कैब शेयरिंग की सुविधा अब शायद दिल्ली में चलने वाली कैब में न मिले। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि ऐसे ऐप बेस्ड ऐग्रीगेटर प्लैटफॉर्म्स को दिल्ली यातायात विभाग के साथ अपना रियल टाइम जीपीएस शेयर करना होगा। इस बात की चर्चा सोमवार को हुई दिल्ली सरकार की बैठक में की गई।

ऐप बेस्ड कैब और प्रीमियम बस सर्विस की लाइसेंसिंग और रेग्यूलेशन के लिए ट्रांसपोर्ट विभाग की टैक्सी स्कीम 2017 की पॉलिसी को अंतिम रूप देने के लिए जनवरी में 5 सदस्यों वाली कमिटी बनाई गई थी। इस कमिटी के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन हैं। साथ ही इस कमिटी में यातायात मंत्री कैलाश गहलोत, मुख्य सचिव अंशु प्रकाश, मुख्य सचिव (फाइनैंस) और आशीष खेतान शामिल हैं। हालांकि इस पर फैसला कमिटी की अगली बैठक में लिया जाएगा जिसकी तारीख अभी तय नहीं की गई है।

एक सरकारी कर्मचारी ने बताया कि सोमवार को हुई कमिटी की बैठक में टैक्सी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई थी। साथ ही इस बात की भी चर्चा हुई कि नियमों के अनुसार एक ही कैब कई लोगों को एक ही बार में अलग-अलग जगह से पिक और ड्रॉप नहीं कर सकती। साथ ही उन्होंने बताया कि इन टैक्सियों से पार्किंग फ्रूफ की भी मांग की जा सकती है। साथ ही इन्हें सिर्फ सीएनजी या एलपीजी ही इस्तेमाल करना होगा।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि दिल्ली में चल रही दूसरे राज्यों में रजिस्टर्ड गाड़ियों को दिल्ली में काउंटरसाइन करवाना होगा। फिलहाल दिल्ली में ऐप बेस्ड ट्रैक्सी सर्विस को ट्रांसपॉर्ट विभाग जीपीएस के जरिए ट्रैक नहीं करता है लेकिन कमिटी चाहती है कि ऐसा किया जाए।

## 2040 तक प्रतिदिन 500 मिलियन टन हो जाएगी भारत में कच्चे तेल की मांग: इंडियन ऑइल

सिंगापुर (आरएनएस)। भारत की कच्चे तेल की मांग साल 2040 तक 500 मिलियन टन प्रतिदिन हो जाएगी। हालांकि तेल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से ग्रोथ रेट पर भी असर पड़ेगा। यह कहना है इंडियन ऑइल कॉरपोरेशन के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर पार्थ घोष का। घोष ने यह बात सिंगापुर में एशिया पैसफिक पेट्रोलियम कॉन्फ्रेंस के दौरान कही।

घोष ने कहा कि 2040 तक वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की मांग 15.8 मिलियन बैरल प्रतिदिन हो जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2030 तक भारत की रिफाइनिंग क्षमता 439 मिलियन टन प्रतिदिन हो जाएगी क्योंकि अभी मौजूद रिफाइनरी लगातार अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर में बदलाव ला रही हैं। इसके अलावा डोमेस्टिक सेक्टर में डिमांड इसी समयसीमा के दौरान 356 मिलियन प्रतिदिन तक बढ़ने की उम्मीद है। भारत का मजबूत आर्थिक विकास और बड़ी संख्या में यहां के युवा इसमें एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

हालांकि, 2024 से 2025 तक ऑइल डिमांड ग्रोथ में थोड़ी सुस्ती देखने को मिलेगी। घोष ने कहा कि इस सिलसिले में सबसे बड़ी रुकावट तेल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी है। उन्होंने बताया कि तेल की कीमतों से भारत की अर्थव्यवस्था पर काफी असर पड़ता है। कहा जाता है कि एक बैरल की कीमत 10 डॉलर बढ़ने से भारत की जीडीपी 0.2 से 0.3 प्रतिशत तक कम हो जाती है।

आपको बता दें कि कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमत और गिरता रुपया दोनों ही चीज इस वक्त भारत की परेशानी बने हुए हैं। इसे देखते हुए भारत कच्चे तेल के आयात को कम करने की बात सोच रहा है।

## घोस्ट बायर्स बने जेपी इन्फ्राटेक प्रॉजेक्ट की नई परेशानी

नई दिल्ली (आरएनएस)। जेपी इन्फ्राटेक के नोएडा प्रॉजेक्ट में हजारों घर खरीददार आज भी अपना घर मिलने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, 24,300 खरीददारों में से कई ऐसे भी हैं जिन्होंने अभी तक अपना क्लेम फाइल नहीं किया है। इस प्रॉजेक्ट को अब घोस्ट बायर्स परेशान कर रहे हैं।

कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय को 9 असोसिएशन ने एक जॉइंट पीटिशन सौंपी है और आधार और पैन कार्ड जैसे विकल्प रखे हैं ताकि प्रॉजेक्ट के असली लाभार्थी को ट्रैक किया जा सके। साथ ही उन्होंने कहा है कि इससे घोस्ट बायर्स का भी पता लगाया जा सकेगा। कई घर खरीददार ऐसे हैं जिन्होंने 10 हजार रुपये से भी कम में बुकिंग की है। वहीं एक शख्स ने नोएडा एक्सप्रेसवे के पास सिर्फ 1 रुपये में बुकिंग की है और आज तक क्लेम भी नहीं किया। अब तक 73 लोगों ने 75,000 रुपये दिए हैं। वहीं 400 लोग ऐसे हैं जिन्होंने 5 लाख रुपये दिए हैं।

## सीईओ के बराबर पहुंची सीएफओ की सैलरी

मुंबई (आरएनएस)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इस वर्ष जब नैशनल सिक्यॉरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की पूर्व एग्जिक्यूटिव सुधा बालाकृष्णन को अपने पहले चीफ फाइनैंशल ऑफिसर के तौर पर हायर किया था तो इससे इंडिया इंक में फाइनैंस के स्पेशलाइज्ड स्किल की बढ़ती डिमांड का एक और संकेत मिला था।

एग्जिक्यूटिव सर्च फर्मों के अनुसार, पिछले 10-15 महीनों में कम से कम 50 लिस्टेड कंपनियों ने सीएफओ बदले हैं और उनका सैलरी पैकेज 40 पर्सेंट से अधिक बढ़ा है। इनकी सैलरी अब लगभग चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर के बराबर हो गई है। सीएफओ को अब 2-5 करोड़ रुपये का सालाना सैलरी पैकेज मिल रहा है, जो दो-तीन वर्ष पहले 1.5-3 करोड़ रुपये था।

आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने बताया कि सीएफओ अब फाइनैंशल गवर्नेंस के रूप में कंपनी की नैतिक जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। वे अब सीईओ की तरह ही कंपनी के लिए महत्वपूर्ण बन

गए हैं और इस पोस्ट के लिए अच्छा टैलेंट हासिल करना महत्वपूर्ण है। आरजीपी ने हाल ही में ग्रुप सीएफओ को हायर किया है। पिछले कुछ महीनों में लिस्टेड कंपनियों में 15 सीएफओ का प्लेसमेंट कराने वाली इन्सिस्ट एग्जिक्यूटिव सर्च के फाउंडर, आर सुरेश ने कहा कि शेयर बाजार में लिस्ट होने वाली कंपनियों की संख्या बढ़ने और प्राइवेट इक्विटी की फंडिंग वाली कंपनियों के साइज और स्केल बढ़ाने के लिए कदम उठाने से सीएफओ की जरूरत बढ़ गई है।

एग्जिक्यूटिव सर्च फर्मों और फाइनैंशल एक्सपर्ट्स का कहना है कि सीएफओ से इनवेस्टर्स की उम्मीदों, कंप्लायंस की कड़ी जरूरतों और टॉप स्टार्टअप्स से डिमांड बढ़ने से मार्केट में बदलाव हुआ है। सीएफओ की चुनौतियां बढ़ने के साथ ही उनके सैलरी पैकेज में भी बढ़ोतरी हो रही है।

आदित्य बिड़ला ग्रुप के डायरेक्टर, (ग्रुप ह्यूमन रिसोर्सेज), संतृप्त मिश्रा ने कहा, बिजनेस एनवायरमेंट मुश्किल है। सीएफओ को अलग-अलग सेक्टर्स से बड़े प्रोफाइल और स्किल्स के साथ लाया जा रहा है। सैलरी पैकेज इसके मुताबिक होना चाहिए। देश की दूसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी इंफोसिस के सीएफओ एम डी रंगनाथ नवंबर में कंपनी का साथ छोड़ देंगे। इंफोसिस ने अभी तक उनका विकल्प नहीं चुना है।

एग्जिक्यूटिव्स ने बताया कि सीएफओ पर कंपनी के मैनेजमेंट के अंदर इनवेस्टर्स का प्रतिनिधि बनने का अधिक दबाव है। कुछ कंपनियों के बोर्ड में शामिल चार्टर्ड एकाउंटेंट, शैलेश हरिभक्ति ने कहा, सफल कंपनियों के सीएफओ की आकांक्षाएं बढ़ रही हैं और वे बोर्ड में शामिल होना चाहते हैं। हाल ही में एक ब्लूचिप कंपनी से इस्तीफा देने वाले सीएफओ ने बताया, हमें अपने कार्यकाल के साथ ही उसके बाद की अवधि के लिए भी जवाबदेह ठहराया जा रहा है।

# लाइफ इन ए मेट्रो के सीक्वल में नज़र आएंगी परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा आजकल लखनऊ में अपनी अगली फिल्म जबरिया जोड़ी की शूटिंग में व्यस्त हैं। निर्देशक प्रशांत सिंह के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में परिणीति के ऑपोजिट सिद्धार्थ मल्होत्रा काम कर रहे हैं। परिणीति अक्षय कुमार की अगली फिल्म केसरी में भी नज़र आएंगी। अब खबर है कि परिणीति चोपड़ा ने अब एक और फिल्म साइन कर ली है। खबरों की मानें तो परिणीति ने अनुराग बासु की 2007 में आई म्यूज़िकल ड्रामा फिल्म लाइफ इन अ मेट्रो के सीक्वल में काम करने के लिए हामी भर दी है। इस फिल्म में परिणीति के साथ राजकुमार राव भी दिखाई देंगे।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि परिणीति हमेशा से अनुराग के साथ काम करना चाहती थीं क्योंकि उन्हें अनुराग का काम बेहद पसंद है और परिणीति ने फिल्म की स्क्रिप्ट सुनते ही इसके लिए हां कर दिया। दूसरी तरफ अनुराग भी परिणीति के काम को फॉलो करते आ रहे हैं और वह इस सीक्वल में परिणीति के साथ काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं।

बताना चाहेंगे कि इस फिल्म में परिणीति चोपड़ा और राजकुमार राव की जोड़ी पहली बार नजर आएगी। खबर है किअनुराग बासु ने इस फिल्म के प्री-प्रॉडक्शन पर काम शुरु कर दिया है और वह इसे जल्द से जल्द फ्लोर पर ले जाना चाहते हैं।

लाइफ इन अ मेट्रो के ऑरिजनल भाग में एक लंबी चौड़ी स्टार कास्ट देखने को मिली थी जिसमें शिल्पा शेट्टी, शाइनी आहूजा, धर्मेन्द्र, नफीसा अली, इरफान खान, कोंकणा सेन शर्मा, कंगना रनौत, के. के. मेनन और शरमन जोशी शामिल थे। यह फिल्म 6 कहाहियों और 9 लोगों के इर्द-गिर्द घूमती नजर आई थी, जिसमें सभी किरदार मेट्रो सिटी में रहने के कारण निजी जीवन में आने वाली परेशानी से जूझते दिख रहे थे।

उम्मीद है कि इस फिल्म के पार्ट 2 में भी हमें बड़ी स्टार कास्ट देखने को मिलेगी। इस फिल्म के लिए अभिषेक बच्चन, इलियाना डिक्रूज़, अर्जुन कपूर और करीना कपूर खान के नामों की चर्चा है। हालांकि अब तक इन नामों पर कोई ऑफिशल कन्फर्मेशन नहीं आई है। अगस्त के महीने में अनुराग ने एक ऑनलाइन पोस्ट के ज़रिए कहा था, मल्टीस्टारर फिल्म की कास्टिंग करना थोड़ा मुश्किल होता है क्योंकि इसके लिए सभी के डेट्स मैच होने चाहिए। फिलहाल इस साल के लिए सबकी डेट्स फुल हैं। फाइनल कास्ट का ऐलान जल्द ही किया जाएगा।

इसी बीच राजकुमार राव शैली चोपड़ा धर की अगली फिल्म एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा में नज़र आएंगे जिसमें उनके साथ सोनम कपूर और अनिल कपूर नज़र आएंगे। इसके साथ ही राज कुमार राव ने मौनी रॉय के साथ मेड इन चाइना की शूटिंग शुरू कर दी है।

# अब अबु धाबी में होगी सलमान और कैट स्टारर भारत की शूटिंग

सलमान खान और कटरीना कैफ स्टारर फिल्म भारत आजकल सबसे ज्यादा चर्चित अपकमिंग फिल्मों में से है। अली अब्बास जफर के निर्देशन में बन रही भारत, एक कोरियाई फिल्म ओड टू माय फादर की ऑफिशल रीमेक है। मालटा में भारत की शूटिंग का पहला शेड्यूल खत्म करने के बाद, फिल्म के डायरेक्टर अली अब्बास जफर ने फिल्म के अगले शेड्यूल के ऐलान कर दिया है। अली अब्बास जफर ने अपने ट्विटर हैंडल पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं और लिखा,ऑल सेट फॉर अबु धाबी।

अबु धाबी की तस्वीरें शेयर करने के साथ ही अली अब्बास जफर ने बताया कि आने वाले दिनों में यह जगह ही टीम भारत का घर होगी। बात अगर भारत में सलमान और कटरीना के लुक कि की जाए, तो आपको जान कर हैरानी होगी कि इस फिल्म में सलमान और कटरीना पांच अलग लुक में नजर आएंगे। इस फिल्म में सलमान और कटरीना को 18 की उम्र से लेकर 60 साल की उम्र तक का सफर तय करते दिखाया जाना है।

पहले इस फिल्म में सलमान के ऑपोज़िट फीमेल लीड प्रियंका चोपड़ा प्ले करने वाली थीं। लेकिन शूटिंग शुरु होने के कुछ दिन पहले ही प्रियंका ने इस फिल्म से अपने हाथ खींच लिए। इस बारे में अली अब्बास जफर कहते हैं,यह कोई मुश्किल वक्त नहीं था।

मुझे लगता है कि प्रियंका के इस फिल्म से अलग होने के पीछे उनकी कुछ अपनी जायज वजहें होंगी। इस बात को मैंने और सलमान ने समझा और प्रियंका को जाने दिया।

इस फिल्म में सलमान और कटरीना के अलावा तब्बू, दिशा पाटनी, जैकी श्रॉफ और सुनील ग्रोवर भी अहम किरदार निभाते दिखेंगे। बात अगर इस फिल्म की रिलीज़ कि की जाए, तो आपको बता कि सलमान कि ज्यादातर फिल्मों की तरह इसे भी अगले साल ईद के मौके पर ही रिलीज़ किया जाएगा।

## मुझे शूटिंग के बीच समय मिलता है तो गाना गाती हूं:भूमिका गुरुंग

टेलीविजन शो 'निमकी मुखिया' में निमकी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री भूमिका गुरुंग ने शो के एक एपिसोड के लिए अपनी आवाज दी है।

आगामी एपिसोड में शो के कलाकार तीज का त्योहार मनाते नजर आएंगे। भूमिका ने इसके लिए एक गाना गाया है जो शो के बैकग्राउंड में बजेगा।

भूमिका ने एक बयान में कहा, ''गायन मेरा जुनून है। मुझे गाना गाने से प्यार है। मुझे शूटिंग के बीच कुछ समय मिलता है तो मैं उस दौरान गाना गाती हूं और सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर साझा करती हूं।''

उन्होंने कहा, ''मेरे प्रशंसकों ने मुझसे एक गाना रिलीज करने के लिए कहा है, इसलिए मैं पूरे दिल और आत्मा से यह करने के लिए तैयार हूं।''

# अजय देवगन ने ट्विटर पर शेयर कर दिया काजोल का वॉट्सऐप नंबर

सोशल मीडिया पर सिलेब्रिटीज की तस्वीरें अक्सर लीक होती रहती हैं। कई सिलेब्रिटीज अपने सोशल मीडिया अकाउंट के हैक होने का भी शिकार हो चुके हैं। ऐसे में उनकी पर्सनल बातें या तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक हो जाती हैं। इस बार ऐसा ही कुछ ऐक्ट्रेस काजोल के साथ हुआ है। उनका पर्सनल नंबर ट्विटर पर लीक हो गया है। बता दें कि ऐसा किसी और ने नहीं बल्कि खुद उनके पति अजय देवगन ने किया है।

सोमवार को अजय के फॉलोवर्स उस वक्त हैरान हो गए जब उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट पर अपनी पत्नी और ऐक्ट्रेस काजोल का वॉट्सऐप नंबर शेयर कर दिया। अजय ने लिखा कि काजोल देश में नहीं हैं। उनसे इस नंबर पर संपर्क करें।

इसके बाद अजय देवगन के फैन्स ने उन्हें ट्रोल करना भी शुरू कर दिया। किसी को भी समझ नहीं आ रहा था कि अजय ने आखिर ऐसा क्यों किया है।

अभी इस बारे में अजय या काजोल की तरफ से कोई बात नहीं कही गई है कि अजय ने अपने अकाउंट पर काजोल का नंबर क्यों शेयर किया।

# मैं जानती थी बत्ती गुल... में मेरे लिए गाना, रोमांस और स्टाइल नहीं है: यामी गौतम

तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नडा, पंजाबी और हिंदी भाषा की लगभग डेढ़ दर्जन फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री यामी गौतम ने फिल्म विक्की डोनर से बॉलिवुड में कदम रखा, फिल्म सफल भी रही और मैडम यामी के काम की खूब तारीफ भी हुई। विक्की डोनर के बाद उनकी सनम रे, जुनूनीयत, ऐक्शन-जैक्शन और टोटल सियापा जैसी फिल्में लगातार फ्लॉप रही।

फ्लॉप हुई फिल्मों के बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचती हूं पिछले साल की शुरुआत में रितिक रोशन के साथ फिल्म काबिल में उनकी काबिलियत फिर से नजर आई और अब वह शाहिद कपूर के साथ फिल्म बत्ती गुल मीटर चालू में नजर आ रही हैं। इस दौरान हमसे हुई बातचीत में यामी ने कहा, लगातार फ्लॉप हुई फिल्मों के बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचती हूं, लेकिन जो भी फिल्म साइन करती हूं खुद को सिक्योर जरूर रखती हूं।

**मुझे सब कुछ पता था कि फिल्म में मेरा क्या काम होगा**

बत्ती गुल मीटर चालू और अपने किरदार के बारे में बताते हुए यामी कहती हैं, बत्ती गुल मीटर चालू में अपने रोल की लंबाई और किरदार की मजबूती को लेकर मैं बिल्कुल अवेयर थी। दरअसल यह कहानी तीन दोस्तों की है, लेकिन फिल्म का दूसरा भाग कोर्ट रूम ड्रामा है। फिल्म साइन करने से पहले ही मुझे सब कुछ पता था कि फिल्म में मेरा क्या काम होगा। जब भी किसी फिल्म में 2 हिरोइन होती हैं।

लोग सोचने लगते हैं कि पता नहीं दूसरी हिरोइन का क्या काम होगा। यह सोच मुझे बेहद पुरानी लगती है। मुझे शुरू से ही पता था कि इस फिल्म में मेरे लिए कोई गाना, रोमांस और स्टाइल नहीं होगा, लेकिन इस तरह के माइंड सेट के साथ आप काम नहीं कर सकते हैं।